## दिनांक 20 नवम्बर, 1981

क्यांक 2071-ज(II)-81/41364.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ब्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और घसमें आज तक संजोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सोंपे नये ब्रिधिकारों का अबोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री प्यारे लाल, पुत्र श्री राम दिया, गांव तिहाड़ खुर्व, तहसील व खिला मोनीपत, को रबी, 1973 से ब्रिंबरिफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर समद में दी गई शसों के अनुसार सहवें प्रदाम करते हैं।

क्षमांक 2076-क (II)-81/41371.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रीधनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ध्राप्ताया गया है और उसमें ग्राज तक संबोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गए ग्रीधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मांगे राम, पुत्र श्री रहीम बहुत, गांव रहमाना, तहसील व जिला सोनीपत, की रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध खागीर समद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

# दिनांक 23 नवम्बर, 1981

कमांक 2082-ज(I)-81/42)58--श्री बुझ राम, पुत्र श्री हटठू, गांव पोता, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 18 जुलाई, 1979 को हुई मृत्यु के पिरिणामरथहप हिन्याणा के रार्ध्याल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तब संभोधन विध्य राण है) की धरा 4 एवं 2 (ए) (१ए) तथा 3 (१ए) क अधीन प्रधान की गई मित्रयो का प्रयोग वरते हुये श्री बुझ राम को मृद्लिंग 150 हपये धार्षिक की जागीर जो उसे, हरियाणा सरकार की अधिसूचना त्रमांक 5046-ज(I)-73/25735, दिनांक 24 अगस्त, 1973 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विध्या श्रीमती मोहरा के नाम प्रबी, 1510 से (१० राष्ट्रे धार्षिक की सर से सनद में दी गई शर्तों के शंतरंत प्रदान करते हैं।

# ि दिनांक 25 नव∓बर, 1981

क्रमांक 2150-ज(I)-81/42067.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रिधितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपत्ताया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धिरा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) वे इन्सार सैपे गए प्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सर्वी राम, पुन श्री प्रेमा राम, गम दुई-पुर, तहसील द जिला हिसार को रबी. 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

#### दिनांक 26 नवम्बर, 1981

[क्रमांक 2081-ज-(I)-81/42105.—श्रीं करम सिंह, पुछ श्री काला सिंह, गांव रायेवांली, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाना, की दिनांक 15 दिसम्बर, 1978, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1) तथा 3(1)! के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये श्री करम सिंह की मुख्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसचना त्रमांक 182-ज-I-76/7607, दिनांक 11 मार्च, 1976, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मंगल कौर के नाम खरीफ, 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये व्हर्शिक की उर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

## दिनांक 2 दिसम्बर, 1981

प्रमांक 2140-ज (II)-81/42€99.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार क्रियिम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संकोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (10) तथा [3(10) के ब्रन्सार सौपे गए अधिकारों का प्रयोग करतें हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीकती चर्नेलिटबी, दिस्टा श्री करवान हिंह, गांव हलाह पुर, तहसील व जिला सोनीयत, को (रवी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रपये तथा रबी, 1980 से 300 रपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई हिंगों के अनुसार सहये प्रदान करते हैं।

देस राज सतीजा, विशेष कार्य श्रीधकारी, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग।